भारत का जिक्र कर चीन पर फिर भड़के डोनाल्ड ट्रंप

कहा–अमेरिका को विकासशील देश बना दो

कहर

अमेरिका में मरने वालों की तादाद करीब 19 हजार पहुंची

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

वाशिंगटन। कोरोना वायरस के कहर से बुरी तरह से जूझ रहे अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एकबार फघ्रि से चीन पर निशाना साधा है। डोनाल्ड ट्रम्प ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि अगर चीन विकासशील देश होकर फायदा उठाता है तो अमेरिका को भी विकासशील देश ही बना दो। अमेरिकी राष्ट्रपति का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब अमेरिका में मरने वालों की तादाद करीब 19 हजार पहुंच गई है।

ट्रम्प ने कोरोना वायरस पर व्हाइट हाउस में संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'चीन ने अविश्वसनीय रूप से हमारा और अन्य देशों का फायदा उठाया है। आप जानते हैं कि उन्हें विकासशील राष्ट्र माना जाता है। मैं कहता हूं कि ठीक है फिर हमें भी विकासशील देश ही बना दीजिए।' राष्ट्रपति ने चीन पर एक सवाल के जवाब में कहा, 'उन्हें बड़े फायदे मिलते हैं क्योंकि वे विकासशील देश हैं। भारत एक विकासशील देश है। अमेरिका बड़ा विकसित देश है। हालांकि हमें भी कई विकास कार्य करने हैं।

चीन 30 वर्षों से अमेरिका का फायदा उठा रहा: विश्व व्यापार संगठन के अमेरिका का फायदा उठाने की बात को दोहराते हुए ट्रम्प ने कहा कि चीन की अर्थव्यवस्था तब बढ़ने लगी जब वह अमेरिका की मदद से डब्ल्यूटीओ में शामिल हुआ। उन्होंने कहा, 'लेकिन अगर वे हमसे निष्पक्षता से पेश नहीं आते तो हम उसे छोड़ देंगे।' उन्होंने आरोप लगाया कि चीन 30 वर्षों से अमेरिका का फायदा उठा रहा है। उन्होंने कहा कि चीन ने डब्ल्यूटीओ के जरिए और ऐसे नियमों का इस्तेमाल कर फायदा उठाया है जो अमेरिका के लिए अन्यायपूर्ण रहे हैं।

ट्रम्प ने कहा कि देश को कब खोलना है यह उनके लिए अब तक का सबसे बड़ा फैसला होने जा रहा है। कोविड–19 वैश्विक महामारी के कारण महज कुछ ही सप्ताह में अमेरिकी अर्थव्यवस्था थम–सी गई है। राष्ट्रीय आपातकाल के मद्देनजर 95 प्रतिशत से ज्यादा आबादी घरों में सिमटी हुई है और 1.6 करोड़ से अधिक लोग अपनी नौकरियां गंवा चुके हैं। इस जानलेवा संक्रामक रोग से अमेरिका में शुक्रवार तक 18,000 से अधिक लोगों की मौत हो गई जबकि पांच लाख लोग इससे संक्रमित पाए गए हैं।

देश को फिर से खोलने का फैसला अभी नहीं: ट्रम्प ने पत्रकारों से कहा कि देश को फिर से खोलने का फैसला कोरोना वायरस पर व्हाइट हाउस कार्य बल के सदस्यों समेत अपने करीबी सलाहकारों से विचार विमर्श के बाद उचित समय पर लिया जाएगा। उन्होंने इसके लिए कोई निश्चित तारीख नहीं बताई।

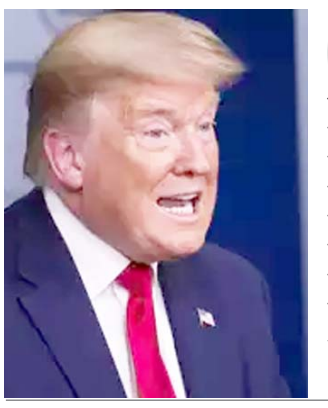

'मैं फैसला लेने जा रहा हूं और मैं उम्मीद करता हूं कि यह सही फैसला हो लेकिन मैं बिना किसी सवाल के यह कहूंगा कि यह मेरा अब तक का सबसे बड़ा फैसला होगा।' वह अमेरिका को फिर से खोलने पर डॉक्टरों और कारोबारियों की नयी परामर्श परिषद का जल्द ही गठन करेंगे। नया कार्य बल अर्थव्यवस्था से कहीं अधिक मामलों पर निपटेगा।

–डोनाल्ड ट्रंप, राष्ट्रपति

न्यूज डायरी

800 साल से बर्फ के नीचे धधक रहे ज्वालामुखी, फूटे तो सदियों तक निकलेगा लावा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) हेलसिंकी। यूरोप में एक देश है आइसलैंड। दुनिया के सबसे कम आबादी वाले इलाकों में से एक। क्ध्योंकि यहां हर तरफ बर्फ की चादर फैली रहती है। मिड–एटलांटिक रिज में इसकी लोकेशन ऐसी है कि यहां बहुत सारे सक्रिय ज्ध्वालामुखी है। पूरे आइलैंड पर 30 एक्टिव वॉल्कैनो सिस्टम हैं। इन्हीं में से एक है रेकेजेनस। भूगोल की नजर में ये प्रायद्वीप है क्ध्योंकि समुद्र से घिरा है। यहां की धरती के नीचे ऐसा ज्वालामुखी सिस्टम है जो लगभग 1000 साल में एक्टिवेट होता है। साइंटिस्ट्स ने कहा है कि वह समय नजदीक है जब यहां के ज्वालामुखी लावा उगलेंगे। रेकेजेनस आखिरी बार 10वीं सदी में सक्रिय हुआ था। तब लगातार 300 साल तक यहां विस्फोट होते रहे और उबलता हुआ लावा बाहर निकलता रहा। अब साइंटिस्ट कह रहे हैं कि करीब 800 साल शांत रहने के बाद यह इलाका जाग रहा है।

दुनियाभर में कोरोना वायरस से मरने वाले की संख्या एक लाख के पार हुई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) रोम। दुनिया भर में कोरोना वायरस वैश्विक महामारी से मरने वाले लोगों की संख्या शुक्रवार को एक लाख के आंकड़े को पार कर गई। विश्वभर में करोड़ों लोगों को कोविड–19 महामारी के चलते लागू किए गए लॉकडाउन के कारण घरों में ही ईस्टर मनाना पड़ा। इस संक्रमण के कारण इटली में 18,849 लोगों की मौत हुई हैं। यह विश्व भर में किसी देश में सबसे अधिक मृतक संख्या है, जबकि उसके बाद अमेरिका में 17,925 लोगों की मौत हुई है। वहीं, स्पेन में 15,843 लोगों की मौत हुई है। दुनिया भर में इस वायरस से अब तक 16 लाख से अधिक लोग संक्रमित हो चुके हैं और वायरस से मरने वाले लोगों की संख्या शुक्रवार को 1,00,661 तक पहुंच गई। इनमें से करीब 70 प्रतिशत लोगों की मौत यूरोप में हुई हैं। यूरोप में अब तक 70,245 लोगों की मौत हुई है।

ब्राजील में मरने वालों की संख्या 1000 से अधिक हुई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) ब्रासीलिया। कोरोना वायरस महामारी से सबसे बुरी तरह प्रभावित लातिन अमेरिकी देश ब्राजील में इस बीमारी से मरने वालों की संख्या 1000 के पार पहुंच गई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के अनुसार ब्राजील में कोविड–19 संक्रमण के अब तक कुल 19,638 मामले सामने आए हैं और यहां 1,056 लोगों की मौत हो चुकी है। इस बीच ब्राजील के राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो को कोविड–19 को ज्यादा तवज्जो न देकर उसे ''मामूली फ्लू'' बताने के कारण आलोचनाओं का शिकार होना पड़ रहा है।गैर जरूरी कारोबार बंद करने और लोगों को घरों में रहने की हिदायत देने के स्थानीय एवं राज्य प्राधिकारियों के फैसले को लेकर उनके और बोलसोनारो के बीच मतभेद पैदा हो गया है। बोलसोनारो संक्रमण को रोकने संबंधी अपनी ही सरकार की सिफारिशों का सम्मान नहीं करते हुए शुक्रवार को अपने समर्थकों से मिलने ब्रासीलिया की सड़कों पर आए।

अमेरिका ने हिजबुल्ला कमांडर की जानकारी देने पर एक करोड़ डॉलर का इनाम रखा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। अमेरिका ने लेबनानी हिजबुल्ला कमांडर मुहम्मद कावथरानी की गतिविधियों, नेटवर्क और सहयोगियों के बारे में कोई भी जानकारी देने पर एक करोड़ डॉलर के इनाम की घोषणा की। कमांडर पर इराक में ईरान समर्थित समूहों को समन्वित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने का आरोप है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, ''कावथरानी इराक में लेबनानी शिया आंदोलन का एक वरिष्ठ अधिकारी है, जिसने ईरान से जुड़े अर्धसैनिक समूहों के राजनीतिक समन्वयन के काम को संभाला है। इस समूह का संचालन पहले कासिम सुलेमानी करता था।'' ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड के शक्तिशाली नेता सुलेमानी जनवरी की शुरुआत में बगदाद में अमेरिका के हमले में मारे गए थे।

पाक मंत्री के ट्वीट में गलतियों का अंबार, लोग बोले जाहिलपना परमानेंट

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

इस्लामाबाद। अपने ऊल जुलूल ट्वीट्स के लिए मशूहर पाकिस्तानी मंत्री ने फिर गलती की है। ये मंत्री हैं इमरान खान की सरकार में साइंस एंड टेक्नोलॉजी मिनिस्ट्री संभालने वाले फवाद चौधरी। भारत को लेकर इनकी सोच ऐसी है कि हर बड़े मुद्दे पर पड़ोसी देश को घसीट लेते हैं। मगर जोश में लिखते वक्त ऐसी गलतियां कर जाते हैं कि दिनभर ट्रोल होना पड़ता है। इस बार, उन्होंने कोरोना वायरस लॉकडाउन पर कुछ ऐसा लिखा कि उनकी भद पिट गई।

फवाद हुसैन ने जो लिखा, उसका मजमून कुछ यूं है, भारत के लोगों को कोरोना वायरस लॉकडाउन से ये सबक लेना चाहिए कि राजनीतिक दबाव का समर्थन कभी ना करें।

मोदी सरकार ने कश्मीर के अनिश्चितकालीन लॉकडाउन के जरिए लोगों को दर्द दिया। भारत यह दर्द महामारी की वजह से नहीं बल्कि इस वजह से झेल रहा है क्योंकि भारत की राजनीतिक लीडरशिप फेल हुई। अब एक ट्वीट था, मगर गलतियां भरी पड़ी थी।

बड़बोलापन स्वभाव है इनका फवाद चौधरी बड़बोले हैं। घटना कोई भी हो, ये कहीं से कहीं से भारत पर उसका ठीकरा फोड़ ही देते हैं।

तस्वीरें ऐसी, कांप जाएगा कलेजा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) वाशिंगटन। कोरोना वायरस से इस वक्ख्त सबसे ज्यादा मुसीबत अमेरिका झेल रहा है। वहां शुक्रवार को एक दिन में 2000 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई। पूरी दुनिया में कहीं से भी, एक दिन में इतनी मौतों की खबर नहीं आई थी। अमेरिका में शुक्रवार को 2,108 लोगों की मौत हुई। वहां मरने वालों का आंकड़ा 18,586 पहुंच गया है। अभी तक कोरोना वायरस से सबसे ज्यादा मौतें इटली में हुई हैं जहां 18,849 लोग मारे गए। अमेरिका मौतों के मामले में इटली को पीछे छोड़ने वाला हैं। वहीं अमेरिका में कोरोना वायरस के कन्फर्म मामलों की संख्या भी 5 लाख का आंकड़ा छूने को है। वहां कोरोना से इतनी मौतें हुई हैं कि लाशों के लिए कब्रिस्तान कम पड़ गए।

कोरोना संकट में चीन का तानाशाही रवैया, अफ्रीकी लोगों को घर से निकाला

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

करीब 2,000 लोगों की संक्रमण संबंधी जांच

पेईचिंग। कोरोना वायरस को लेकर पूरी दुनिया में आलोचनाएं झेल रहा चीन अब एक नए विवाद में फंस गया है। दक्षिणी चीन के सबसे बड़े शहर ग्वांगझू में अफ्रीकियों का कहना है कि विदेश से आए कोरोना वायरस संक्रमित लोगों के बढ़ते मामलों को रोकने के लिए उन्हें निशाना बनाया जा रहा है। अफ्रीकी लोगों ने कहा कि उन्हें कोरोना वायरस से संक्रमित संदिग्ध समझा जा रहा है और घरों से जबरन बाहर निकाला जा रहा है।

अफ्रीकी लोगों ने कहा कि उन्हें मनमाने तरीके से पृथक रखा जा रहा है और उनकी सामूहिक स्तर पर जांच की जा रही है। इस बीच विवाद बढ़ने पर अब चीन ने सफाई दी है। उसका कहना है कि उसने कोविड–19 संक्रमण को मुख्य रूप से काबू कर लिया है लेकिन ग्वांगझू में नाइजीरियाई समुदाय से जुड़े हाल में सामने आए हैं। उधर, कई मामलों के कारण स्थानीय लोग और वायरस की रोकथाम में लगे अधिकारियों पर इस समुदाय के लोगों से भेदभाव के आरोप लग रहे हैं।

करीब एक करोड़ 50 लाख आबादी वाले औद्योगिक केंद्र में स्थानीय प्राधिकारियों ने बताया कि संक्रमित पाए गए कम से 8 लोग 'लिटिल अफ्रीका' के नाम से जाने जाने वाले शहर के युएशियु इलाके के थे। इनमें से पांच नाइजीरियाई हैं। उनके घर में पृथक वास में रहने के बजाए 8 रेस्तरां और अन्य सार्वजनिक स्थलों पर जाने की खबरें सामने आने के बाद लोगों ने उन्हें लेकर नाराजगी व्यक्त की है। सरकारी मीडिया ने बताया कि इन लोगों के संपर्क में आए करीब 2,000 लोगों की संक्रमण संबंधी जांच करनी पड़ी या उन्हें अलग रखना पड़ा। ग्वांगझू में विदेशों से आए कोरोना वायरस के संक्रमित लोगों के 114 मामलों की गुरुवार को पुष्टि हुई थी, जिनमें से 16 लोग अफ्रीकी हैं और शेष लोग विदेशों से लौटने वाले चीनी नागरिक हैं।

दक्षिण कोरिया ने पृथकवास के आदेशों की अवहेलना करने वालों पर नजर रखने की योजना बनाई

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) सियोल। दक्षिण कोरिया ने पृथकवास के आदेशों की अवहेलना करने वाले लोगों पर नजर रखने के कलाई पर बांधे जाने वाले पट्टे (रिस्टबैंड) का इस्तेमाल करने की योजना की शनिवार को घोषणा की। सरकार ने ईसाइयों से ईस्टर सप्ताहांत पर घर में ही रहने का आग्रह किया है। दुनियाभर में कोरोना वायरस से मरने वालों की संख्या एक लाख से अधिक हो गई है। दक्षिण कोरियाई अधिकारियों ने कहा कि सख्त नियंत्रण की आवश्यकता है क्योंकि घर में पृथकवास में रहने के लिए कहे गए 57,000 लोगों में से कुछ ट्रैकिंग ऐप्स वाले स्मार्टफोन को घर पर छोड़कर बाहर घूमने निकल जाते हैं। मानवाधिकार और कानूनी कार्यकर्ताओं की आपत्तियों के बाद रिस्टबैंड के व्यापक उपयोग की योजना को वापस लाया गया। जॉन्स हॉपकिन्स विश्वविद्यालय द्वारा जारी एक आंकड़े के अनुसार, दुनिया भर में, संक्रमण के मामले 17 लाख तक पहुंच चुके हैं।